B.A. HINDI HONOURSE PART – 1

PAPER – 1

“हिंदी साहित्य:काल विभाजनएवं नामकरण”

Dr. Nand Kishore Pandit

Asst. Prof. Hindi

APSM College, Barauni

हिंदी साहित्य : काल विभाजन एवं नामकरण

साहित्य किसी भी भाषा का हो जब उसका इतिहास लिखा जाता है तो सबसे बड़ी समस्या उसके काल विभाजन और कालों के नामकरण की होती है । हिंदी भी इससे अछूती नहीं । हिंदी में काल विभाजन का प्रथम प्रयास सर जार्ज ग्रियर्सन ने किया लेकिन उनके द्वारे दिए गए नाम अध्यायों के शीर्षक अधिक हैं । मिश्र बन्धुओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया , भले ही उनका काल विभाजन सही नहीं माना जा सकता (क्योंकि हिंदी की शुरुआत दसवीं सदी से हुई मानी जाती है ऐसे में हिंदी साहित्य की शुरुआत आठवीं सदी से नहीं मानी जा सकती , यह दोष अन्य विद्वानों के काल विभाजन में भी है) लेकिन इस दिशा में उनका कदम उठाना सराहनीय है , इसके बाद के लगभग हर साहित्येतिहासकार ने इस दिशा में काम किया ।

कुछ प्रमुख विद्वानों के मत –

मिश्र बंधु –

1. प्रारंभिक काल –

   i. पूर्व प्रारंभिक काल (वि.सं. 700-1343)
   ii. उत्तर प्रारम्भिक काल (वि.सं. 1344-1444)

2. माध्यमिक काल –

i.पूर्व माध्यमिक काल (वि.सं. 1445-1560)

ii. उत्तर माध्यमिक काल (वि.सं. 1561-1680)

3. अलंकृत काल –

i. पूर्व अलंकृत काल (वि.सं. 1681-1790)

ii. उत्तर अलंकृत काल (वि.सं 1791-1889)

4. परिवर्तन काल – (वि.सं 1890-1925)

5. वर्तमान काल 6. नूतन काल

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल –

1. वीरगाथाकाल (वि.सं 1050-1375)
2. भक्तिकाल (वि.सं 1375-1700)
3. रीतिकाल (वि.सं 1700-1900)
4. गद्यकाल (वि.सं 1900-1984)

हजारीप्रसाद द्विवेदी –

1. आदिकाल (वि.सं 1000-1375)
2. भक्तिकाल (वि.सं 1375-1700)
3. रीतिकाल (वि.सं 1700-1900)
4. आधुनिक काल (वि.सं 1900 –)

डॉ. रामकुमार वर्मा –

1. संधिकाल (वि.सं 750-1000)
2. चारणकाल (वि.सं 1000-1375)
3. भक्तिकाल (वि.सं 1375-1700)
4. रीतिकाल (वि.सं 1700-1900)
5. आधुनिक काल (वि.सं 1900 –)

धीरेन्द्र वर्मा –

1. प्राचीन काल (वि.सं 1100-1500)
2. मध्य काल (वि.सं 1500-1800)
3. आधुनिक काल (वि.सं 1800-1900)

डॉ . गणपतिचन्द्र गुप्त –

1. प्राचीन काल (1184-1350 ई.)
2. मध्य काल

   1. पूर्व मध्य काल (1350-1600 ई.)
   2. उत्तर मध्य काल (1600-1857 ई.)

3. आधुनिक काल (1857 ई. –)

इनके अतिरिक्त **राहुल संकृत्यायन का काल विभाजन** भी महत्वपूर्ण है उन्होंने हिंदी साहित्य को पांच कालों में बांटा –

1. सिद्ध सामंत युग
2. सूफी युग
3. भक्ति युग
4. दरबारी युग
5. नवजागरण युग

Dr. Nand Kishore Pandit

Asst. Prof. Hindi

APSM College, Barauni